जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

27 फ़रवरी 2024

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया में "ग्लोबल हेल्थ इश्यूज एंड एसडीजी" पर कांगो के फ्लोरिबर्ट एच मुबालामा द्वारा विशेष व्याख्यान का आयोजन

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के अर्थशास्त्र विभाग ने डीन कार्यालय, सामाजिक विज्ञान संकाय के सहयोग से 23-02-2023 को कांगोलेस इंटीग्रेशन नेटवर्क के संस्थापक और सीईओ फ्लोरिबर्ट एच मुबालामा, मानद वाणिज्य दूत, वाशिंगटन राज्य में डीआरसी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, अफ्रीकी प्रवासी विकास परिषद और प्रशासक और मिशन प्रमुख, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा "वैश्विक स्वास्थ्य मुद्दे और एसडीजी" पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया।

अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर अशेरेफ़ इलियान ने वक्ता और दर्शकों का स्वागत किया और वक्ता की प्रोफ़ाइल के बारे में जानकारी दी। उन्होंने दर्शकों को बताया कि फ्लोरिबर्ट एच मुबालामा को मानवीय प्रयासों, सामुदायिक सशक्तिकरण, वैश्विक स्वास्थ्य, सतत विकास और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के प्रति समर्पित कार्यों के लिए जाना जाता है। सामाजिक विज्ञान संकाय के डीन प्रोफेसर मुस्लिम खान ने सत्र की अध्यक्षता की।

श्री मुबालामा ने ऐतिहासिक, भौगोलिक, आर्थिक और राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में विस्तृत विवरण के माध्यम से डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और अफ्रीकी महाद्वीप की स्थिति बताकर बात शुरू की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कैसे डीआर कांगो और इसके संसाधन विश्व अर्थव्यवस्था और राजनीति के लिए महत्वपूर्ण और अभिन्न अंग हैं। उन्होंने औपनिवेशिक आक्रामकता और राजनीतिक उथल-पुथल का भी उल्लेख किया, जिससे वहां प्रभाव पड़ा और लोगों को किस तरह मुसीबत में धकेला गया। शरणार्थी शिविर में लगभग आठ वर्षों तक खुद को पालने-पोसने की अपनी कहानी सुनाकर, उन्होंने सक्रियता, नेतृत्व, सामुदायिक निर्माण और उद्यमी के रूप में अपनी यात्रा को व्यक्त किया।

फिर उन्होंने कांगोलेस इंटीग्रेशन नेटवर्क के बारे में बताया कि कैसे वाशिंगटन, अमेरिका में यह एनजीओ कौशल विकास, गरीबी उन्मूलन और कल्याण वृद्धि जैसे बहुआयामी दृष्टिकोण द्वारा अप्रवासियों और शरणार्थियों को सशक्त बनाने के लिए समर्पित है। उन्होंने विशेष रूप से उनकी तीन स्वास्थ्य रणनीतिक प्राथमिकताओं की ओर इशारा किया, जो हैं मजबूत एकीकरण मार्ग, स्वास्थ्य नवाचार और प्रौद्योगिकी और सतत विकास और पर्यावरणीय स्वास्थ्य। इसका उद्देश्य शरणार्थियों और अफ्रीका से आप्रवासन के लिए एकीकरण मार्ग पर है, जबकि नीली अर्थव्यवस्था, स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन और अपशिष्ट प्रबंधन और रीसाइक्लिंग जैसे फोकस क्षेत्रों में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी समाधानों के लिए शिक्षा में नवाचार के लिए साझेदारी करना है। मुख्य रूप से स्थायी कृषि वानिकी और पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं के माध्यम से खाद्य सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित किया गया।

इसके बाद उन्होंने अपनी अन्य पहलों के बारे में जानकारी दी, जिनसे वे जुड़े हुए हैं, जैसे अफ्रीका विकास परिषद, जो लोगों के बीच संपर्क, सहयोग और अवसरों को बढ़ावा देती है, डीआरसी चैंबर ऑफ कॉमर्स, जो उद्यमियों का समर्थन करने के लिए वित्तीय संस्थानों, सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों को

लाता है। उन्होंने आंध्र प्रदेश मेडटेक ज़ोन लिमिटेड के साथ अपने व्यावसायिक सहयोग का भी उल्लेख किया, जो डीआर कांगो को बड़ी मात्रा में चिकित्सा उपकरणों की आपूर्ति करने जा रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत में चिकित्सा और संबद्ध क्षेत्र के उपकरणों के निर्माण में बड़ी संभावनाएं हैं और इस विनिर्माण क्षेत्र में इसका भविष्य उज्जवल है और इस पर अधिक ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

व्याख्यान के बाद प्रो. मुस्लिम खान, डीन, सामाजिक विज्ञान संकाय, प्रो. खान ने कुछ ज्ञानवर्धक बातें कहीं। प्रो. खान ने कोबाल्ट और पेट्रोलियम उत्पादों के वितरण का हवाला देते हुए वर्तमान दुनिया में डीआर कांगो की प्रासंगिकता पर जोर दिया। उन्होंने उनके अंतरराष्ट्रीय संबंधों का भी उल्लेख किया जो उनके संसाधन प्रचुरता से बने थे।

व्याख्यान में विभाग के संकाय सदस्यों और छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. वसीम एवं डॉ. काशिफ ने किया। कार्यक्रम का समापन अर्थशास्त्र विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. वसीम अकरम द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया